

Chapter: 1to9

विभाग १ - गद्य

कृति. (अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए।  
१

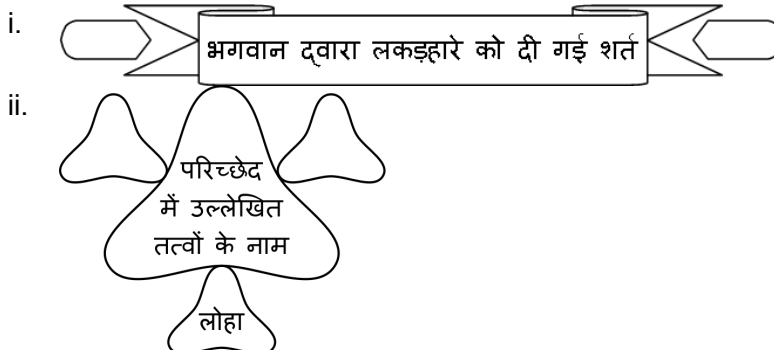
(8)

लकड़हारा	:	नहीं भाई, मैं तो बहुत गरीब हूँ। यह सोने की कुल्हाड़ी तो मेरी है ही नहीं। (दुखी होकर) खैर, जाने दो भाई, तुमने मेरे लिए बहुत कष्ट उठाए।
ग्रामीण	:	(बीच में ही) नहीं भाई नहीं। इसमें कष्ट की क्या बात है। मुसीबत के समय एक दूसरे के काम आना तो हमारा धर्म है। मैं एक बार फिर कोशिश करता हूँ। (ग्रामीण नदी में कूदकर लोहे की कुल्हाड़ी निकालता है।)
ग्रामीण	:	लो भाई, इस बार तो यह लोहा ही हाथ लगा है।
लकड़हारा	:	(अपनी लोहे की कुल्हाड़ी देखकर खुश हो उठता है।) तुम्हारा यह उपकार मैं जीवन भर नहीं भूलूँगा। भगवान तुम्हें सुखी रखे।
ग्रामीण	:	एक बात मेरी समझ में नहीं आई।
लकड़हारा	:	(हाथ जोड़कर) वह क्या ?
ग्रामीण	:	मैंने तुम्हें पहले चाँदी की कुल्हाड़ी दी, फिर सोने की दी, तुमने नहीं ली। ऐसा क्यों ?
लकड़हारा	:	दूसरे की चीज को अपनी कहना ठीक नहीं है। मेहनत और ईमानदारी से मुझे जो भी मिलता है, वही मेरा धन है। (ग्रामीण चला जाता है और भगवान के रूप में मंच पर फिर से आता है।)
भगवान	:	धन्य हो भाई, मैं तुम्हारी ईमानदारी से बहुत प्रसन्न हूँ लेकिन एक शर्त पर। तुम हरे - भरे पेड़ों को नहीं काटोगे, न ही लालच में पड़कर जरूरत से अधिक सूखी लकड़ी काटोगे।
लकड़हारा	:	मुझे शर्त मंजूर है। (परदा गिरता है।)

1 A1) ..

2

आकृति पूर्ण कीजिए।



A2) ..

2

- i. संक्षेप में उत्तर लिखिए।  
भगवान की शर्त - .....
- ii. वाक्य पूर्ण कीजिए :  
१. मुसीबत के समय एक-दूसरे के काम - .....  
२. मेहनत और ईमानदारी से जो मिलता है, - .....

**A3) ..**

2

- i. विपरीतार्थक शब्द / विलोम शब्द लिखिए।

१. बेईमानी × .....।

२. धर्म × .....।

- ii. प्रत्यय एवं उपसर्ग लगाकर शब्द बनाइए।

१. उपकार - .....।

२. समझ - .....।

**A4) ..**

2

स्वमत अभिव्यक्ति।

'ईमानदारी एक अच्छा गुण है' विषय पर अपने विचार २५ से ३० शब्दों में लिखिए।

**(ब) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए।**

**(8)**

मैं अंग्रेजी माध्यम से पढ़ने लगा। घर में पूरी तौर से हिंदी वातावरण, क्लास के जिन बच्चों के घरेलू माहौल भी अंग्रेजियत से युक्त थे, उनपर ही शिक्षिकाएँ भी शाबाशी के टोकरे उछालतीं क्योंकि वे छोटी उम्र में ही धाराप्रवाह अंग्रेजी बोलते। कक्षा में उन्हीं लड़कों का दबदबा रहता।

माँ मुझे अच्छी तरह पढ़ा सकती थीं पर अंग्रेजी माध्यम होने की वजह से लाचार थीं। अतः सारी मेहनत पिता जी ही करते। मेरी इच्छा नहीं रहती थी उनसे पढ़ने की। मगर माँ की बात नहीं टाल सकता था। ऑफिस से आने के साथ ही सारी किताब-कॉपियों सहित मुझे घेरकर पढ़ाना-रटाना शुरू कर देते। शायद उनकी मेहनत के ही बल पर मैं आठवी कक्षा तक पहुँचा हूँ।

एक बार पूरी क्लास पिकनिक पर जा रही थी। पिता जी ने मना किया। मेरे जिद करने पर माँ और पिता जी में भी झिंक-झिंक होने लगी। मैं अड़ा ही रहा। परिणामस्वरूप पहले समझाया, धमकाया और डाँटा गया और सबसे आखिर में दो चाँटे लगाकर नालायक करार दिया गया। मैं बड़ा क्रोधित हुआ।

कभी 'डोनेशन' या सालाना जलसे आदि के लिए चंदे वगैरह की छपी पर्चियाँ लाता तो पिता जी झल्ला पड़ते। एक-दो रुपये देते भी तो मैं अड़ जाता कि बाकी लड़के दस-दस, बीस-बीस रुपये लाते हैं, मैं क्यों एक-दो ही ले जाऊँ ? मैंने इस बारे में माँ से बात की पर माँ भी इसे फिजूल खर्चा मानती थीं।

**1 A1) ..**

2

आकृति पूर्ण कीजिए।



**A2) ..**

2

एक-एक शब्द में उत्तर लिखिए।

- i. बालक को शिक्षा के लिए दाखिल कराया गया।

- ii. माँ इसे फिजुल खर्चा मानती थी।
- iii. जो किसी काम के लायक न हो।
- iv. जो बेबस, मजबूर हो।

**A3) ..**

2

निम्नलिखित शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखिए।

- i. किताब - .....
- ii. माँ - .....
- iii. पिता - .....
- iv. लाचार - .....

**A4) ..**

2

स्वमत।

‘क्या कॉन्वेंट पढाई से ही बालक का सर्वांगीण विकास होता ही’ स्पष्ट कीजिए !

**(क) निम्नलिखित अपठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए।**

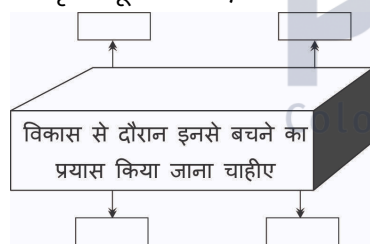
**(4)**

वनों भी अविवेकपूर्ण कटाई, बड़ी-बड़ी परियोजनाओं, असीमित ढानत, डीजल, पेट्रोल, कोयला तथा अन्य पेट्रोलियम पदार्थों का अन्तहीन दोहन व इनके दहन से जल, वायु, मुद्रा आदि का प्रदूषण हो चुका है। इन सभी कारणों से पर्यावरण के निरंतर प्रदूषित होने से परिस्थितिकी असंतुलन अलग हो गया। विकास के वर्तमान युग में परिस्थितिकी एवं पर्यावरण सापरिक्षण अनिवार्य है वही विकास अपोषणीय से पोषणीय होना आवश्यक है। इसलिए विकास के दौरान जल प्रदूषण, वायुप्रदूषण, मिट्टी के कटाव, मिट्टी की बढ़ती लवणता व क्षरियता, भ्रूस्थलीकरण, वृक्षों की अंधाधुंध कटाई ध्वनि प्रदूषण आदि से बचने का भरसक प्रयास किया जाना चाहिए।

**1 A1) ..**

2

आकृति पूर्ण कीजिए।



**A2) ..**

2

स्वमत।

जल प्रदूषण के बारे में अपने विचार लिखिए।

**विभाग २ - पदय**

**कृति. (अ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए।**

**(6)**

२

बोले वे -  
 “लेकिन शेष मेरा दायित्व लेंगे  
 बाकी सभी ....  
 मेरा दायित्व वह स्थित रहेगा  
 हर मानव मन के उस वृत्त में  
 जिसके सहारे वह  
 सभी परिस्थितियों का अतिक्रमण करते हुए  
 नूतन निर्माण करेगा पिछले ध्वंसों पर !  
 मर्यादायुक्त आचरण में  
 नित नूतन सृजन में  
 निर्भयता के  
 साहस के

ममता के  
रस के  
क्षण में  
जीवित और सक्रिय हो उठूँगा मैं बार-बार !"

**अश्वत्थामा:** उसके इस नये अर्थ में  
क्या हर छोटे-से-छोटा व्यक्ति  
विकृत, अर्द्धबर्बर, आत्मघाती, अनास्थामय  
अपने जीवन की सार्थकता पा पाएगा ?

**वृद्ध :** निश्चय ही !  
वे हैं भविष्य  
किंतु हाथ में तुम्हारे हैं।  
जिस क्षण चाहो उनको नष्ट करो  
जिस क्षण चाहो उनको जीवन दो, जीवन लो।

1 A1) ..

2

- i. निम्न शब्दों के लिए प्रश्न तैयार कीजिए।
  १. नूतन निर्माण
  २. भविष्य
- ii. उत्तर लिखिए।
  १. इसके हाथ में है मानव जीवन - .....
  २. मनुष्य चाहे तो नष्ट करे या जीवन प्रदान करे - .....

A2) ..

2

- पद्यांश में इस अर्थ में आए शब्द -
- i. विनाश    ii. नया    iii. निर्माण    iv. हिंसक

A3) ..

2

- भावार्थ लिखिए ।  
बोले वे ..... बार-बार।

**विभाग ३ - (व्याकरण)**

**कृति.3 सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए -**

- (1) मुहावरे का अर्थ लिखकर अपने वाक्य में प्रयोग कीजिए (2)
- (2) थोड़े दिनों में तुम इसे समझने लगोगी। - .....  
2) हाथ बँटाना।
- (2) वाक्य में यथास्थान विरामचिह्नो का प्रयोग कीजिये (1)  
राजा ने खोलकर देखा दाने सड़ गए थे
- (3) वाक्य शुद्ध करके फिर से लिखिए (1)  
जीभ का नम्रता बनाए रखी।
- (4) अर्थ के आधार पर निम्न वाक्यों के भेद लिखिए। (1)  
दाँत भी हार क्यों मानने लगे ?
- (5) निम्नलिखित वाक्य का रचना के अनुसार भेद लिखिए (1)  
मैं यद्यपि शरीर से बूढ़ा हूँ किंतु उत्साह में जवान हूँ।
- (6) निम्न वाक्यों के काल पहचान कर लिखिए (2)  
मैं इसे फिजूल खर्च मानता हूँ।

2) मैं अंग्रेजी पढ़ने लगा।

7) अधोरेखांकित शब्द का भेद लिखिए

(1)

औरते पालूत जानवरो की निगरानी करती थी।

#### विभाग ४ - रचना विभाग

कृति.4 अ) निम्नलिखित किसी एक विषय पर लगभग 80 से 100 शब्दों में निबंध लिखिए।

(5)

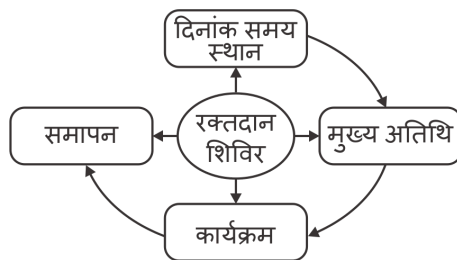
1) चिकित्सा में विज्ञान

2) समय का सदुपयोग

3) एक किसान की आत्मकथा

ब) निम्नलिखित वृत्तांत लिखिए।

(5)



अथवा

निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर कहानी लिखिए

एक कौआ - प्यासा - पानी का मटका - मटके में पानी कम होना - पत्थर के टुकड़े डालना - पानी ऊपर आना - प्यास बुझाना - शिक्षा।

क) गद्य आकलन

(5)

परिच्छेद के आधार पर पाँच प्रश्न तैयार कीजिए। नफरत मनुष्य के हृदय को जलाने का काम करती है। यह मनुष्य के मन-मस्तिष्क पर हावी हो जाती है। इसके कारण मनुष्य नित दूसरे व्यक्ति से जलता है और दूसरे के प्रति ईर्ष्या द्वेष की भावना रखता है। नफरत से मनुष्य स्वयं के लिये गड़ढा खोदता है। यदि हम किसी से नफरत करेंगे तो दूसरा भी हम से नफरत करेगा। हमें सभी के साथ स्नेह का आचरण करना चाहिए इससे भाईचारा और शांति स्थापित होती है। समाज में प्रेमका प्रचार करने से व्यक्ति पूजनीय बन जाता है। उसे प्रेम के बदले प्रेम मिलता है।